पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

आदित्य धर की फैन बनीं अनुष्का शर्मा

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 33 ■ गुरुवार 9 अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ आरोग्य केंद्र के 7 दरवाजे चोरी

अंबरनाथ. अंबरनाथ में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां हेल्थ सिस्टम की सुरक्षा की पोल खुल गई है। चोरों ने अंबरनाथ के पश्चिम में शिवनगर में नागरी आरोग्यवर्धिनी केंद्र के करीब सात दरवाजे चोरों ने चोरी कर लिए हैं. यह घटना 'वर्ल्ड हेल्थ डे' के दिन सामने आई है। इस चोरी से यह साफ हो गया है कि करीब 50 लाख रुपये की लागत से बनी इस सरकारी बिल्डिंग की सुरक्षा बहुत खराब है। इस वजह से लोग नगर निगम प्रशासन की लापरवाही पर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं।

नगर निगम ने शिवनगर इलाके के लोगों को स्थानीय लेवल पर मेडिकल सुविधाएं देने के मकसद से यह सेंटर बनाया था; हालांकि, पिछले कुछ समय से यह सेंटर समस्याओं में फंसा हुआ है। पानी की कमी, जमा हुए कचरे और देखभाल की कमी से लोग पहले से ही परेशान हैं, वहीं अब सेंटर के दरवाज़े चोरी होने से सुरक्षा का मुद्दा सामने आया है।

इस घटना ने प्रशासन की काबिलियत पर सवाल खड़े कर दिए हैं, ऐसे समय में जब आए दिन स्वास्थ्य सेवाओं और लोगों में जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। चौंकाने वाली बात यह सामने आई है कि इस जगह पर कोई CCTV कैमरा नहीं है। इस बारे में हेल्थ सेंटर के कर्मचारी शिरोसे ने बताया कि सिर्फ़ गैल्वेनाइज्ड दरवाज़े चोरी हुए हैं और सेंटर में बाकी सामान सुरक्षित है; हालांकि, CCTV कैमरे या सुरक्षा गार्ड न होने की वजह से चोरों को मौका मिल गया है, और अब अंबरनाथ पुलिस मामले की जांच कर रही है।

खुदी सड़कों से व्यापारियों का धंधा ठप

- जगह-जगह खुदी सड़कें बनी परेशानी का सबब
- उल्हासनगर में ऑटो किराया बढ़ा
- मनपा मुख्यालय के सामने व गोल मैदान में गड्ढा खोदने से ट्रैफिक बढ़ी
- मनपा प्रशासन की ढिलाई सामने

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर अब गड्ढों से ज्यादा प्रसिद्ध होते जा रहा है। नई सत्ता भी इस दाग को मिटाने में सफल नहीं हो रही है। कभी पुलिस द्वारा सीसीटीवी लाईन बिछाने के लिए गड्ढा तो कभी 400 करोड़ की भुयारी गटर लाईन डालने के लिए गड्ढा हर वजह के लिए शहर में गड्ढा खोदना अपना अनिवार्य सा हो गया है। उल्हासनगर-3 स्थित मनपा मुख्यालय के सामने पिछले कई दिनों से अच्छी खासी सीसी सड़क को खोदा गया है इतना ही नहीं सबसे व्यस्त इलाका गोल मैदान में भी इस तरह से गड्ढा खोदा गया है। जिस कारण ट्रैफिक समस्या और भी जटिल हो गई है। बारिश आगामी दो माह में है लेकिन अब तक सड़कों की खस्ता हालत है। शहर में कई जगहों पर सड़कें खोदी गई है, इन खुदाई की वजह से असली रास्ता बंद हो गया है, और रिक्शा ड्राइवरों को लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। इस वजह से शेयरिंग रिक्शा का किराया बढ़ गया है और खुदाई वाली सड़क पर व्यापारियों का धंधा ठप हो गया है।

ज्ञात हो कि पिछले साल लालचक्की चौक से कैंप नंबर 4 में वीर सावरकर की मूर्ति तक ड्रेनेज के काम के लिए खुदाई की वजह से यह सड़क कई महीनों तक बंद रही थी। साथ ही, दहाचाल रोड पर सड़क की खुदाई की वजह से कुर्ला कैंप जाने वाले रिक्शा को विकल्प के तौर पर भाटिया मार्ग जैसा लंबा चक्कर लगाना पड़ा। इस वजह से किराया 5 रुपये बढ़ गया था।

■ लाल चक्की चौक से छत्रपति संभाजी चौक रूट पर काम शुरू

लाल चक्की चौक से छत्रपति संभाजी चौक रूट पर पिछले तीन-चार महीने से काम चल रहा है। इस वजह से इस रोड पर स्टेशन से छत्रपति संभाजी चौक तक रिक्शा बंद थे। चूंकि रिक्शा को चौक तक पहुंचने के लिए वीनस के पास कब्रिस्तान वाले रास्ते या दहाचाल से होकर जाना पड़ता है, इसलिए किराया 5 रुपये बढ़ा दिया गया है। अब जानकारी मिल रही है कि एक रूट शुरू हो गया है और दूसरे रूट पर काम चल रहा है।

उद्योग-धंधे ठप

इस रोड पर व्यापार रुकने से व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। फिलहाल शांतिनगर श्मशान घाट के पास खुदाई की गई है। इस वजह से उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन और चोपड़ा कोर्ट से विट्ठलवाड़ी रेलवे स्टेशन जाने वाले रिक्शा को बहुत लंबा रास्ता लेना पड़ रहा है। अगर आपको सीधा रिक्शा लेना है, तो पहले से ज्यादा किराया देना होगा। नागरिक सुविधाओं के लिए खुदाई का काम चल रहा है.

नागरिक सुविधाओं के लिए चल रहा काम

इस बारे में एडिशनल कमिश्नर डॉ. धीरज चव्हाण से बात की गई, तो उन्होंने कहा कि नागरिक सुविधाओं के लिए सड़कों की खुदाई का काम चल रहा है। इसका खामियाजा ड्राइवरों को भुगतना पड़ रहा है और उन्हें लंबे रास्तों से जाना पड़ रहा है। लेकिन ये काम आखिरी स्टेज में हैं और कमिश्नर मनीषा आव्हाले के गाइडेंस में नागरिकों को सड़कों का नया लुक देखने को मिलेगा.

अंबरनाथ-बदलापुर के बीच ट्रेन के आग कूदकर दी जान

■ पत्नी और ससुराल पक्ष पर मामला दर्ज

अंबरनाथ. एक व्यक्ति ने कथित तौर पर चलती ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने मंगलवार को बताया कि आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में उसकी पत्नी और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मृतक रविकांत अडंगले (49) ने तीन अप्रैल को तड़के अंबरनाथ और बदलापुर रेलवे स्टेशन के बीच यह कदम उठाया।

पुलिस के अनुसार, रविकांत ने अपनी पत्नी रश्मि, सास अरुणा निर्भवने और साली सुनीता राजेंद्र गायकवाड़ द्वारा 'लगातार मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना' के कारण यह आत्मघाती कदम उठाया। अधिकारी ने बताया कि उनके परिवार के सदस्यों को एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उन्होंने अपनी मृत्यु के लिए विशेष रूप से अपनी पत्नी और ससुराल वालों को जिम्मेदार ठहराया है।

उन्होंने बताया कि तीनों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करके जांच की जा रही है।

वोटर लिस्ट के शुद्धिकरण के लिए मनपा का खास अभियान

■ जनप्रतिनिधियों से सहयोग की अपील

उल्हासनगर. महाराष्ट्र राज्य के उप मुख्य चुनाव अधिकारी के निर्देशानुसार, वोटर लिस्ट के पूरी तरह से संशोधन का प्रोग्राम आजकल बहुत तेज़ी से चल रहा है और उल्हासनगर मनपा ने वोटर लिस्ट को ज़्यादा भरोसेमंद और गलती-मुक्त बनाने के लिए कमर कस ली है। इस अभियान के एक अहम हिस्से के तौर पर, वोटर लिस्ट से धुंधली तस्वीरें हटाने, डुप्लीकेट एंट्री ढूंढने और बेमतलब की गलतियों को ठीक करने का काम शुरू किया गया है।

इस खास संशोधन प्रोग्राम के तहत, 2002 के पूरी तरह से संशोधन के बाद तैयार लिस्ट में वोटरों की मैपिंग अभी 'BLO' ऐप के ज़रिए की जा रही है। इसके लिए नियुक्त पोलिंग स्टेशन लेवल के अधिकारी घर-घर जाकर और टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके जानकारी अपडेट कर रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया का मुख्य मकसद वोटर लिस्ट की विश्वसनीयता बढ़ाना और इसे पूरी तरह से शुद्ध करना है।

इस अभियान की सफलता के लिए मनपा के असिस्टेंट कमिश्नर और पब्लिक रिलेशन ऑफिसर अजय साबले ने सभी नगर निगम सदस्यों से खास अनुरोध किया है। प्रशासन ने जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने वार्ड में काम कर रहे पोलिंग स्टेशन लेवल के अधिकारियों को इस काम में पूरा सहयोग दें।

रिक्षा चालकों का आरटीओ पर प्रदर्शन

कल्याण. कल्याण में ऑटो रिक्शा चालकों ने जबरन रजिस्ट्रेशन के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। ऑटो रिक्शा चालक-मालक संघटना की संयुक्त कार्रवाई समिति ने कल्याण आरटीओ कार्यालय पर पहुंचकर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा।

टिटवाला में भी दो संदिग्ध आतंकवादी गिरफ्तार

टिटवाला. एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (ATS) ने टिटवाला से दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है जो दिल्ली के लाल किले को उड़ाने की साजिश में शामिल थे। दोनों संदिग्धों के नाम मोहसिन इफ्तिखार और यासीन खान हैं।

लाल किले को उड़ाने की साजिश गजवा-ए-हिंद ने रची थी। इसे फरवरी 2026 में नाकाम कर दिया गया था। इस साजिश में शामिल कुछ लोगों को कुर्ला से गिरफ्तार करने के बाद, टिटवाला-खडवली में यह ऑपरेशन किया गया। समझा जाता है कि उनके पास से कुछ संदिग्ध सामान भी जब्त किया गया था। भारत के महत्वपूर्ण मंदिर भी इन आतंकवादियों के निशाने पर थे। हो सकता है कि मोहसिन और यासीन से पूछताछ के जरिए उनके साथी भी पकड़े जाएं।

इस साजिश में तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल से 8 संदिग्ध पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। जांच में पता चला है कि उनके जैश-ए-मोहम्मद और ISI से संबंध हैं। इससे पहले ATS ने पडघा बोरीवली से आतंकी गतिविधियों में शामिल संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। अब ऐसी ही गतिविधियों की वजह से टिटवाला-खड़वली इलाका भी रडार पर आ गया है।

खड़वली इलाके में माइग्रेंट्स की संख्या बढ़ रही है, और बांग्लादेशी नागरिक भी यहां पनाह ले रहे हैं। ये संदिग्ध आतंकवादी उनमें से हो सकते हैं। कुर्ला और टिटवाला में सामने आए स्लिपर सेल के बारे में चौंकाने वाली जानकारी सामने आ रही है। इन संदिग्धों के हमले के लिए रिमोट से चलने वाली खिलौना कारों का इस्तेमाल करने की संभावना है। कुर्ला में संदिग्धों के पास से ऐसी ही एक RC कार जब्त की गई है और समझा जाता है कि एक डेटोनेटर भी बरामद किया गया है।

7 वर्षीय बच्ची से रेप, आरोपी गिरफ्तार

■ जांच में जुटी पुलिस

ठाणे. ठाणे में एक बेहद संवेदनशील और शर्मनाक घटना सामने आई है. जहां एक कंस्ट्रक्शन साइट पर 7 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म किए जाने का मामला प्रकाश में आया है. पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी मजदूर को घटना के कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया. इस बात की जानकारी एक पुलिस अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को दी.

पुलिस के अनुसार यह घटना सोमवार शाम नौपाड़ा इलाका में स्थित एक निर्माण स्थल पर हुई. आरोपी की पहचान 45 वर्षीय मजदूर के रूप में हुई है, जो उसी साइट पर काम करता था. बच्ची के माता-पिता भी उसी कंस्ट्रक्शन साइट पर मजदूरी करते हैं. जिससे आरोपी और पीड़ित परिवार एक-दूसरे को पहले से जानते थे.

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी मजदूर बच्ची को बहाने से एक तरफ ले गया, जहां उसने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया. घटना के बाद डरी-सहमी बच्ची ने अपने माता-पिता को पूरी बात बताई. बच्ची की आपबीती सुनते ही परिजन तुरंत पुलिस के पास पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई.

पुलिस ने शुरू की जांच

शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आई और त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को कुछ ही घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया. इस संबंध में पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 64(1) (दुष्कर्म) और 65(2) (12 वर्ष से कम आयु की बच्ची से दुष्कर्म) के साथ-साथ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है.

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बच्ची को चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया है और उसकी काउंसलिंग की भी व्यवस्था की जा रही है. साथ ही आरोपी से पूछताछ जारी है, ताकि मामले के सभी पहलुओं की गहराई से जांच की जा सके.

नाबालिग मोटरसाइकिल चोर हिरासत में

- विट्ठलवाड़ी पुलिस ने पकड़े चोर
- 6 चोरी हुई मोटर साइकिल बरामद
- सीसीटीवी के आधार पर पकड़े गए चोर

उल्हासनगर. विट्ठलवाड़ी पुलिस थाना क्षेत्र में बढ़ती बाइक चोरी की घटनाओं पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है। सीसीटीवी फुटेज और पेट्रोलिंग के दौरान मिली अहम जानकारी के आधार पर की गई इस कार्रवाई में कुल छह चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं।

पुलिस को लगातार मिल रही बाइक चोरी की शिकायतों के बाद वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली के मार्गदर्शन में जांच तेज की गई। इलाके के विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें नेवाली क्षेत्र से महत्वपूर्ण सुराग मिला। इसी बीच पेट्रोलिंग के दौरान संदिग्ध तरीके से भाग रहे दो नाबालिगों को पुलिस ने पीछा कर पकड़ा।

पूछताछ में दोनों ने विट्ठलवाड़ी और कोलसेवाडी थाना क्षेत्र से बाइक चोरी करने की बात कबूल की। उनकी निशानदेही पर विट्ठलवाड़ी से दो और कोलसेवाडी क्षेत्र से चार मोटरसाइकिल बरामद की गईं। बरामद वाहनों की कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

जांच में यह भी सामने आया है कि दोनों नाबालिग "मौज-मस्ती" के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। पुलिस अब इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों और चोरी की बाइक खरीदने वालों की तलाश में जुटी है।

यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली और पुलिस निरीक्षक चंद्रहार गोडसे के मार्गदर्शन में की गई। इस टीम में पुलिस उपनिरीक्षक बंकटस्वामी दराडे के साथ पुलिस कर्मी रामदास मिसाळ, दिलीप चव्हाण, संतोष सांगळे, सचिन पाटील और चंदू गायकवाड शामिल रहे। पुलिस की इस सख्त कार्रवाई को क्षेत्र में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश के रूप में देखा जा रहा है।

मानकोली ब्रिज पर खतरनाक स्टंट

■ तीन युवक गिरफ्तार

कल्याण. मोठागांव-मानकोली पुल एक बार फिर खतरनाक स्टंट के कारण चर्चा में है। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ने लोगों को हैरान कर दिया है, जिसमें बाइक पर बैठे एक युवक ने चलती गाड़ी के दौरान चालक की आंखें हाथ से बंद कर दीं, जबकि दूसरा युवक इसका वीडियो बना रहा था। हैरानी की बात यह है कि बाइक चालक बिना देखे ही तेज रफ्तार में वाहन चला रहा था। यह पूरी हरकत सिर्फ सोशल मीडिया पर 'रिल' बनाने के लिए की गई, जिससे राहगीरों की जान खतरे में पड़ गई। वीडियो सामने आते ही विष्णुनगर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों—गणेश फोंडा रेड्डी, कबीर नेतकर और यश मालवणकर (तीनों 22 वर्ष), को गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि ठाणे-डोंबिवली को जोड़ने वाला मानकोली पुल पहले भी स्टंटबाजी और अवैध गतिविधियों के कारण विवादों में रहा है।

नगराध्यक्षा ने वाटर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का किया दौरा

■ केंद्र पूरी क्षमता से शुरू नहीं
■ ठेकेदार का बिल रोकने का निर्णय

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर पालिका के वडोल गांव वाटर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लाट (जल संचयन प्रक्रिया केंद्र) का मंगलवार को नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने अचानक दौरा किया. उस समय ये केंद्र पूरी क्षमता से शुरू नहीं था. इसलिए उन्होंने ठेकेदार का बिल रोकने का निर्णय लिया है.

अंबरनाथ नपा का वडोल गांव में 45 एमएलडी क्षमता का जल संचयन प्रक्रिया केंद्र है. ओम इंडस्ट्रीज इस ठेकेदार को ये केंद्र जनवरी 2026 से 2028 तक की कालावधि के लिए दिया गया है. ठेकेदार को महिने में 8 लाख रुपए नपा देती है. ये केंद्र हमेशा बंद ही रखा जाता है और महिने में ठेकेदार बराबर रकम नपा से लेता है. ऐसी शिकायत मिलने के बाद नगराध्यक्षा, नगरसेवक अभिजीत करंजुले, नगरसेवक पवन वालेकर, मनीष म्हात्रे, धनलक्ष्मी जयशंकर ने मंगलवार की दोपहर में अचानक इस प्रक्रिया केंद्र का दौरा किया. जलापूर्ति विभाग के अभियंता सुनिल जाधव, ठेकेदार विश्वजीत ढमढेरे उपस्थित थे.

प्रक्रिया किया हुआ पानी, लैब में रखे हुए नमूने और प्रत्यक्ष प्रक्रिया करके बाहर निकल रहे पानी में बड़ा फरक देखा गया. केवल 10 से 12 एमएलडी पानी की प्रक्रिया की जा रही है. ऐसा ठेकेदार ने उन्हें बताते हुए कहा कि कुछ मशीनरी बंद होने के कारण ऐसा हो रहा है. गत तीन वर्षों से इसी ठेकेदार को ठेका दिया जा रहा है. फिर मशीनरी की कमी को उसने पूरा क्यों नहीं किया, ऐसा प्रश्न किया गया. तीन वर्ष से वह बकायदा नपा से रकम ले रहा है. ऐसा प्रश्न उपस्थित नगरसेवों ने किया. इस ठेकेदार का बिल सही कार्य शुरू होने तक रोक देने का निर्णय नगराध्यक्षा ने लिया है.

राज्य नदी पुनरुज्जीवन प्राधिकरण में उल्हास नदी का भी समावेश

■ राम पाटकर की कोशिशें रंग लाईं

बदलापुर. ठाणे जिले की लाइफलाइन उल्हास नदी को अब सही मायने में संजीवनी बूटी मिलने वाली है। राज्य सरकार ने हाल ही में 54 प्रदूषित नदियों के शुद्धिकरण के लिए 'महाराष्ट्र राज्य नदी पुनरुज्जीवन प्राधिकरण' बनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है और 'उल्हास नदी' को नदियों की इस प्रायोरिटी लिस्ट में शामिल किया गया है।

अगस्त 2025 में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में स्टेट रिवर रिवाइटलाइज़ेशन अथॉरिटी बनाने का फैसला किया गया था। इसी के मुताबिक यह अथॉरिटी बनाई गई है। इसमें शामिल 54 नदियों को प्रदूषण के हिसाब से बांटा गया है और प्रायोरिटी तय की गई हैं। उल्हास नदी को इसमें शामिल करने के फैसले से बदलापुर खुश है।

अभी तक नदी की सफाई की जिम्मेदारी अर्बन डेवलपमेंट, वॉटर रिसोर्स और पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के बीच बंटी हुई थी। इस वजह से काम में तालमेल नहीं हो पा रहा था। लेकिन अब यह अथॉरिटी मेन कोऑर्डिनेटर का काम करेगी। अगर कोई नगर निगम बिना

प्रोसेसिंग के नदी में सीवेज छोड़ता है, तो यह अथॉरिटी उनके खिलाफ सीधे सज़ा या कानूनी कार्रवाई कर सकेगी। नदियों में कचरा या इंडस्ट्रियल वेस्ट न डाला जाए, यह पक्का करने के लिए स्पेशल मॉनिटरिंग टीमें तैनात की जा सकती हैं।

राम पाटकर ने भरोसा जताया कि इस अथॉरिटी के बनने से नदी की सफाई का मामला अब सिर्फ एक डिपार्टमेंट का नहीं रहेगा, बल्कि सीधे मुख्यमंत्री की निगरानी में आ जाएगा, जिससे काम को एडमिनिस्ट्रेटिव रफ़्तार मिलेगी।

पूर्व मेयर राम पाटकर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, डिप्टी मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार के साथ-साथ राज्य सरकार का भी शुक्रिया अदा किया। इस प्रोजेक्ट के लिए सिर्फ राज्य सरकार के बजट पर निर्भर रहने के बजाय, सेंट्रल ग्रांट, वर्ल्ड बैंक, एशियन बैंक, डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग कमेटी वगैरह से फंड जुटाया जाएगा।

यह अथॉरिटी नदी की सफाई के लिए मॉडर्न टेक्नोलॉजी पर फोकस करेगी. सीवेज को नेचुरल पेड़-पौधों का इस्तेमाल करके प्रोसेस किया जाएगा। प्रदूषण का सही लेवल मापने के लिए नदियों में कुछ दूरी पर 'सेंसर' लगाए जाएंगे। साबरमती या गोमती नदियों की तरह नदियों को सुंदर बनाया जाएगा। बदलापुर शहर से बहने वा6ली उल्हास नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए शहर में तुरंत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए जाएंगे। फैक्ट्रियों से होने वाले प्रदूषण के खिलाफ सीधे राज्य स्तर से सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, नदी से गाद निकालकर उसे गहरा किया जाएगा, ताकि वह साफ, सुंदर और जलपक्षियों से मुक्त हो सके। साबरमती और गोमती नदियों की तरह उल्हास नदी पर वाटरफ्रंट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट लगाने की मंजूरी मिल गई है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

मध्य-पूर्व की ज्वालामुखी

ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध को अब एक महीना से ज्यादा हो चुका है, लेकिन अब भी तनाव और टकराव की आक्रामकता में कोई कमी नहीं देखी जा रही है। बीच-बीच में युद्ध विराम की बात उठती है और अगले ही दिन पहले से ज्यादा तीव्रता वाले हमलों के बीच गुम होकर रह जाती है।

खबरों के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान के खर्ग द्वीप पर फिर हमला किया। इसके अलावा, ईरान के अल्बोर्ज प्रांत में हुए ताजा हवाई हमले में कम से कम अठारह लोगों की मौत हो गई। वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी ने वैश्विक स्तर पर चिंता बढ़ा दी है कि अगर ईरान मंगलवार रात आठ बजे तक होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पूरी तरह बहाल नहीं करता है, तो उसके सभी बिजली संयंत्रों और पुलों पर बमबारी की जाएगी।

सवाल है कि क्या अमेरिका को इस बात की फिक्र है कि नागरिक ढांचों पर होने वाले हमलों को युद्ध अपराधों के दायरे में देखा जा सकता है। ईरान में हमले की वजह से एक स्कूल की कई बच्चियों की मौत को लेकर पहले ही अमेरिका-इजरायल के रवैये पर तीखे सवाल उठ चुके हैं। ऐसा लगता है कि इस युद्ध में हमले के ठिकाने चुनने के मसले पर मानवीयता के प्रश्न पीछे छूट गए हैं।

जहां इजराइल और अमेरिका की ओर से ईरान पर मिसाइल की मार करने से लेकर बमबारी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है, वहीं ईरान ने भी इजराइल सहित मध्य-पूर्व के देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डों पर हमला करने में कोई कमी नहीं की है। इससे इतर युद्ध की वजह से मध्य-पूर्व के समूचे प्रभावित इलाके में जिस पैमाने पर कच्चे तेल का उत्पादन और उसका कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है, उसका असर समूची दुनिया पर किसी न किसी रूप में पड़ रहा है। बहुत सारे देशों में तेल, गैस और खाद की आपूर्ति बाधित हुई है।

विडंबना यह है कि यह सब देखने-समझने के बावजूद युद्ध को खत्म करने या कम से कम कुछ दिनों के विराम की बात भी ठोस तरीके से सिरा नहीं पकड़ रही है। एक ओर अमेरिका के राष्ट्रपति आए दिन ईरान में सब कुछ नष्ट कर देने की धमकी देते हैं, तो दूसरी ओर ईरान इसका जवाब देने की बात करता है।

विमर्श

पश्चिम एशिया संकट, फंस गए रे ट्रंप

वर्ष 2010 की चर्चित फिल्म 'फंस गए रे ओबामा' एक कामेडी फिल्म थी। यह एक त्रासदी से उपजी थी। इसकी कहानी राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अमेरिका में उभरे आर्थिक संकट से ग्रस्त भारत आए एक एनआरआइ से संबंधित थी। जैसे अमेरिका में आई मंदी ने उस वक्त सारे विश्व को परेशान किया, वैसे ही अमेरिका की ओर से इजरायल के साथ मिलकर ईरान पर किए गए हमले से आज सारा विश्व त्रस्त है। इस युद्ध को जारी हुए एक महीने से अधिक का समय बीत गया है और कहना कठिन है कि यह कब समाप्त होगा?

यदि अमेरिका इजरायल का साथ नहीं देता तो इस युद्ध की नौबत ही नहीं आती, लेकिन ऐसा लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अहंकार के चलते ईरान को वेनेजुएला समझ लिया और बिना यह विचारे उस पर चढ़ाई कर दी कि उसने कितनी एवं कैसी सैन्य क्षमता हासिल कर ली है? वे इसे भी भांप नहीं सके कि ईरान पड़ोसी देशों में हमले करके और होर्मुज समुद्री मार्ग अवरुद्ध कर उनके पसीने छुड़ा देगा। वह फिलहाल सचमुच ऐसा करने में समर्थ है और ट्रंप को सूझ नहीं रहा है कि वे इस युद्ध से कैसे निकलें?

एक ओर वे सबसे शक्तिशाली शासक और विश्व के नीति-नियंता होने के गुमान में हैं और दूसरी ओर ईरान को होर्मुज खोलने के लिए मोहलत पर मोहलत देकर अपनी कमजोरी भी जाहिर कर चुके। यदि उनकी सेना इतनी ही शक्तिशाली है तो ईरान की मारक क्षमता कम होने का नाम क्यों नहीं ले रही है? वह

ऐसी-ऐसी मिसाइलें दागने में लगा हुआ है, जिससे अमेरिका भी दंग है और इजरायल भी। ट्रंप कभी ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की धमकी देते हैं और कभी उससे शांति वार्ता की पहल करते हैं।

ट्रंप ने ईरान के समक्ष शांति वार्ता का जो प्रस्ताव रखा, उसने उसे खारिज ही नहीं किया, बल्कि उनका उपहास भी उड़ाया। वह उन्हें जवाबी धमकी भी दे रहा है। ट्रंप ने ईरान पर हमला करते समय कहा था कि वे वहां सत्ता परिवर्तन के साथ परमाणु हथियारों के निर्माण की उसकी क्षमता खत्म करना चाहते हैं। ईरान में सत्ता परिवर्तन के कोई आसार नहीं, जबकि उसके सुप्रीम नेता खामेनेई समेत कई बड़े सैन्य अफसर मारे जा चुके हैं। यह कहना भी कठिन है कि अमेरिका और इजरायल के हमलों में उसके परमाणु संयंत्र इतने बुरी तरह तबाह हो गए हैं कि वह फिर कभी परमाणु हथियार बनाने की क्षमता हासिल नहीं कर सकेगा।

अपनी टैरिफ नीति की लाठी से दुनिया को हांकने वाले ट्रंप न तो खाड़ी देशों को ईरान के हमलों से बचा पा रहे हैं और न ही अपने मित्र देशों और यहां तक कि नाटो देशों को इस युद्ध में सहयोग देने के लिए राजी कर पा रहे हैं। उनके मित्र देश उनका सहयोग करने के लिए इसलिए भी आगे नहीं आ रहे हैं, क्योंकि बहुत समय नहीं हुआ, जब उन्होंने ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकी देकर उन्हें तंग किया था। ईरान ने इस माहौल की हवा निकाल दी है कि दुनिया में वही होगा, जैसा ट्रंप चाहेंगे और उनकी जिद के सामने अन्य देशों को झुकना ही होगा।

ट्रंप यह कहते रहे हैं कि वे शांति के राष्ट्रपति हैं और सात-आठ युद्ध रोके हैं, लेकिन उनके पास इसका कोई जवाब नहीं कि वे रूस-यूक्रेन युद्ध क्यों नहीं रोक सके, जिस पर उन्होंने सबसे ज्यादा रियाज किया। शांति का स्वयंभू मसीहा होने के नाते वे खुद को नोबेल पुरस्कार का अधिकारी बताते रहे हैं और उसके न मिलने पर विलाप भी करते रहे हैं, लेकिन उन्होंने कुल मिलाकर दुनिया को अस्थिर और अशांत ही किया है। वे अपने विरोधी देशों के साथ मित्र देशों से भी बुरा बर्ताव करने के आदी हैं। ट्रंप यह चाहते हैं कि सारी दुनिया उन्हें सलाम करे, लेकिन वे इसके लिए धौंस-धमकी का सहारा लेते हैं।

यदि ईरान परमाणु हथियार बना लेता है तो इजरायल के अस्तित्व के लिए तो गंभीर खतरा बनेगा ही, पश्चिम एशिया में दादागीरी कर सबको तंग करेगा और हमास, हिजबुल्ला जैसे आतंकी संगठनों की और खुलकर मदद करेगा। पश्चिम एशिया संकट का समाधान चाहे जब और जैसे हो, फिलहाल अमेरिकी राष्ट्रपति वहां बुरी तरह घिर गए हैं और उन पर 'फंस गए रे ट्रंप' जैसी फिल्म बनाने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे खुद चलती-फिरती कामेडी बन गए हैं।

अपने जीवन को प्रेम की मधुर धुन बनाइए!

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

हाशिये पर स्वास्थ्य, जागरूकता का सवाल

हाल के वर्षों में भारत ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है, लेकिन जब हम पिछड़े जिलों में स्वास्थ्य से जुड़ी जागरूकता पर नजर डालते हैं, तो एक अलग ही सच्चाई सामने आती है। अस्पतालों की कमी के साथ स्वास्थ्य संबंधी सामाजिक जागरूकता की कमी, संसाधनों की असमानता और नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन की विफलता साफ दिखती है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) के आंकड़े बताते हैं कि भारत में स्वास्थ्य और पोषण से जुड़े मुद्दे केवल चिकित्सा सुविधाओं की कमी से नहीं, बल्कि जागरूकता के अभाव से भी गहराई से जुड़े हैं।

यह सर्वेक्षण देश के सात सौ से अधिक जिलों के आंकड़े उपलब्ध कराता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि स्वास्थ्य को लेकर असमानता केवल राज्यों के बीच ही नहीं, बल्कि जिलों के भीतर भी मौजूद है। यदि हम बिहार जैसे राज्य को देखें, तो स्थिति बेहद चिंताजनक है। यहां लगभग 84 फीसद आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है, जहां स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच सीमित है। लगभग 39 फीसद परिवारों के पास शौचालय की सुविधा नहीं है, जिससे खुले में शौच जैसी समस्याएं बनी रहती हैं, जो सीधे तौर पर संक्रमण से जुड़ी हैं।

यही नहीं, बच्चों में कुपोषण की स्थिति भी गंभीर है, लगभग 43 फीसद

बच्चे बौने हैं। यह केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि पोषण संबंधी जागरूकता की कमी को भी दर्शाता है। बिहार के सीमांचल (कटिहार, किशनगंज, पूर्णिया) या झारखंड के गुमला और सिमडेगा जैसे जिलों में एक समान व्यवहार दिखता है, लोग बीमारी को तब तक गंभीर नहीं मानते, जब तक वह असहनीय न हो जाए। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के सोनभद्र, चित्रकूट, बांदा, अलीराजपुर और मंडला जैसे जिलों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की स्थिति भी आज चिंता का विषय है।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार, कई महिलाओं को प्रसव पूर्व देखभाल नहीं मिल पाती। बिहार में लगभग अठारह फीसद महिलाओं ने गर्भावस्था के दौरान कोई चिकित्सा देखभाल नहीं ली। राजस्थान की तस्वीर और ज्यादा जटिल है। टीकाकरण में सुधार हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। तीस वर्ष से अधिक आयु के लगभग बीस फीसद लोग मधुमेह या उच्च रक्तचाप से ग्रस्त हैं, लेकिन उनमें से बहुत कम लोग नियमित उपचार कराते हैं।

झारखंड और मध्य प्रदेश के आदिवासी क्षेत्रों में पारंपरिक मान्यताओं तथा आधुनिक चिकित्सा के बीच दूरी अब भी बनी हुई है। कई बार लोग प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तक नहीं पहुंचते और स्थानीय उपचारों पर निर्भर रहते हैं, जिससे तपेदिक, मलेरिया और खून की कमी जैसी बीमारियां लंबे समय तक छिपी रहती हैं। देश में यह संकट दोतरफा रूप में सामने आता है- एक ओर कुपोषण, दूसरी ओर नई जीवनशैली से होने वाली बीमारियां। यदि वैश्विक तुलना करें, तो जापान, फिनलैंड और आस्ट्रेलिया जैसे देशों में लोग नियमित जांच, संतुलित आहार और निवारक स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान देते हैं। इसके विपरीत भारत में स्वास्थ्य को अक्सर अंतिम प्राथमिकता दी जाती है।

आज के परिदृश्य में इस संदर्भ में एक नया आयाम जुड़ रहा है, वह है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता। सवाल यह है कि क्या एआइ स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ाने में मदद कर सकता है, खासकर उन ग्रामीण क्षेत्रों में जहां जानकारी की सबसे ज्यादा कमी है? ग्रामीण भारत में एआइ का सबसे बड़ा उपयोग जानकारी पहुंचाने में हो सकता है।

क्या 24 घंटे चलता रहता है पानी में जहाजों का इंजन

जरा हट के

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर होर्मुज स्ट्रेट पर भी साफ देखा जा रहा है. कई जहाजों के फंसने की वजह से ईंधन की सप्लाई प्रभावित हुई है. इसी बीच लोगों के बीच यह धारणा भी आम है कि जहाजों के इंजन पूरी यात्रा के दौरान लगातार चलते रहते हैं, लेकिन हकीकत इससे अलग है. आइए समझते हैं पूरा सच..

दरअसल, जहाजों के इंजन हर समय चालू नहीं रहते. जब कोई जहाज लंबे समय तक बंदरगाह पर खड़ा होता है, तो उसे आगे बढ़ाने की जरूरत नहीं होती, इसलिए मुख्य इंजन बंद कर दिया जाता है.

इसी तरह मेंटेनेंस और मरम्मत के दौरान, जब अंदरूनी हिस्सों की जांच और सर्विसिंग की जाती है, तब भी इंजन को पूरी तरह बंद रखना जरूरी होता है. इसके अलावा, ईंधन भरते समय सुरक्षा कारणों से भी इंजन को अक्सर बंद कर दिया जाता है. हालांकि मुख्य इंजन बंद कर

दिया जाए, फिर भी जहाज पूरी तरह शांत नहीं होते. उनके सहायक इंजन लगभग लगातार चलते रहते हैं. ये जनरेटर जहाज की रोशनी, एयर कंडीशनिंग, नेविगेशन सिस्टम और संचार उपकरणों को बिजली सप्लाई करते हैं. इसी कारण, भले ही जहाज आगे न बढ़ रहा हो, वह पूरी तरह बंद नहीं माना जाता. गाड़ियों की तुलना में जहाजों के इंजन बेहद बड़े और जटिल होते हैं. इन्हें चालू करने के लिए कंप्रेस्ड एयर सिस्टम और खास तैयारी की जरूरत होती है, जिसमें कई बार घंटों लग जाते हैं. यही वजह है कि अगर जहाज को जल्द ही रवाना होना हो, तो ऑपरेटर इंजन को बंद करके दोबारा स्टार्ट करने के बजाय उसे चालू रखना ज्यादा बेहतर समझते हैं. बड़े समुद्री इंजन इस तरह डिजाइन किए जाते हैं कि वे लंबे समय तक लगातार काम कर सकें. उन्हें बार-बार बंद और चालू करने से उनके पुर्जों पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है और घिसाव बढ़ सकता है. यही कारण है कि कई बार जहाजों के इंजन जरूरत न होने पर भी चालू रखे जाते हैं. जब कोई जहाज खुले समुद्र में लंगर डालकर खड़ा होता है, तो उसका मुख्य इंजन पूरी तरह सक्रिय नहीं रहता, बल्कि स्टैंडबाय मोड में रखा जाता है. इससे जरूरत पड़ने पर चालक दल आसानी से और जल्दी इंजन को फिर से चालू कर सकता है.

तरबूज-कॉर्न सलाद

खाना-खजाना

तरबूज में पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जो गर्मियों में आपके शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाता है और पेट को एकदम ठंडा रखता है। दूसरी तरफ, उबले हुए स्वीट कॉर्न सलाद में फाइबर और एक क्रंची, हल्का मीठा स्वाद जोड़ते हैं। जब रसभरे तरबूज और क्रंची कॉर्न को एक साथ मिलाया जाता है, तो स्वाद का एक ऐसा जादू तैयार होता है जो बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को पसंद आता है।

सामग्री :

- तरबूजः 2 कप (छोटे टुकड़ों में कटा हुआ, बीज निकले हुए)
- स्वीट कॉर्नः 1 कप (उबले हुए)
- पुदीने के पत्तेः 8-10 (बारीक कटे हुए, ताजगी के लिए)
- नींबू का रसः 1 चम्मच
- काला नमक और चाट मसालाः स्वाद के अनुसार
- काली मिर्च पाउडरः 1 चुटकी (हल्के तीखेपन के लिए)

बनाने का तरीका

सबसे पहले एक बड़े बाउल में कटे हुए तरबूज के टुकड़े और उबले

हुए स्वीट कॉर्न डाल लें।

अब इसमें बारीक कटा हुआ ताजा पुदीना डालें। पुदीना इस सलाद की जान है, जो गर्मियों में पेट को एक्स्ट्रा ठंडक देता है।

इसके ऊपर स्वाद के अनुसार काला नमक, चाट मसाला, एक चुटकी काली मिर्च पाउडर और ताजा नींबू का रस निचोड़ें।

अब सभी चीजों को चम्मच की मदद से बहुत ही हल्के हाथों से मिलाएं ताकि तरबूज के टुकड़े टूटें नहीं और सारा मसाला अच्छे से मिल जाए। बता दें, इस सलाद का असली मजा इसे ठंडा खाने में है। तैयार होने के बाद इसे 15-20 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। जब यह अच्छी तरह ठंडा हो जाए, तो इसे बाउल में निकालें और अपनी हल्की-फुल्की भूख को एक स्वादिष्ट और हेल्दी तरीके से शांत करें। गर्मियों के इस मौसम में यह 'तरबूज-कॉर्न सलाद' न सिर्फ आपकी जीभ का स्वाद बदलेगा, बल्कि आपको पूरे दिन तरोताजा भी रखेगा।

घर में कॉकरोच ने मचा रखा है आतंक?

- हर नुस्खा आजमाकर हो गए हैं तंग
- रसोई में ही छिपा है इस मर्ज का इलाज

घर में कॉकरोच दिखना एक आम समस्या है, लेकिन इसे नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है. ये छोटे कीड़े दिखने में भले ही मामूली लगें, लेकिन ये खाने को दूषित करने के साथ कई तरह के बैक्टीरिया भी फैलाते हैं. खासकर किचन में इनकी मौजूदगी सेफ्टी के लिए खतरा बन जाती है. कई लोग इन्हें खत्म करने के लिए बाजार के केमिकल प्रोडक्ट्स का सहारा लेते हैं, लेकिन उनका असर ज्यादा समय तक नहीं टिकता और कई बार ये स्वास्थ्य के लिए भी नुकसानदायक हो सकते हैं. ऐसे में घर में मौजूद साधारण चीजों से ही कॉकरोच से छुटकारा पाया जा सकता है, बस जरूरत है सही तरीका अपनाने की.

कॉकरोच आमतौर पर वहां पनपते हैं जहां नमी, गंदगी और खाने के छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं. सिंक के नीचे, गैस के आसपास, फ्रिज के पीछे और अलमारी के कोनों में ये आसानी से छिप जाते हैं. अगर समय रहते इन पर ध्यान न दिया जाए, तो इनकी संख्या तेजी से बढ़ने लगती है. इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सफाई के साथ कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाएं, जो इन्हें जड़ से खत्म करने में मदद करें और दोबारा आने से भी रोकें.

■ बेकिंग सोडा और चीनी का आसान ट्रिक

कॉकरोच को खत्म करने के लिए बेकिंग सोडा और चीनी का मिश्रण काफी कारगर माना जाता है. बराबर मात्रा में दोनों को मिलाकर उन जगहों पर रखें जहां कॉकरोच ज्यादा नजर आते हैं. चीनी की मिठास उन्हें अपनी ओर खींचती है और बेकिंग सोडा उनके शरीर पर असर डालकर उन्हें खत्म कर देता है.

■ तेजपत्ता से दूर भागते हैं कॉकरोच

किचन में मौजूद तेजपत्ता भी कॉकरोच को भगाने में मदद करता है. इसकी तेज खुशबू इन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आती. आप इसे पीसकर या साबुत ही किचन के कोनों, दराज और अलमारी में रख सकते हैं.

■ नीम का इस्तेमाल है फायदेमंद

नीम में प्राकृतिक कीटरोधी गुण होते हैं, जो कॉकरोच को दूर रखने में मदद करते हैं. आप नीम के पत्तों को सुखाकर पाउडर बना लें और इसे उन जगहों पर छिड़क दें जहां कॉकरोच आते हैं.

■ पुदीना तेल का स्प्रे

पुदीना तेल की खुशबू भी कॉकरोच को पसंद नहीं होती. पानी में कुछ बूंदें मिलाकर स्प्रे तैयार करें और इसे किचन के कोनों, सिंक और दरारों में छिड़कें. यह एक सुरक्षित और नेचुरल तरीका है.

■ सिरका से करें सफाई

सिरका और पानी मिलाकर किचन की सफाई करने से कॉकरोच दूर रहते हैं. यह उनकी गंध और रास्तों को खत्म कर देता है, जिससे वे वापस आने से बचते हैं.

■ लहसुन और प्याज का देसी नुस्खा

लहसुन और प्याज की तेज गंध भी कॉकरोच को भगाने में मदद करती है. इनका पेस्ट बनाकर या पानी में मिलाकर स्प्रे करें, इससे कॉकरोच धीरे-धीरे कम होने लगते हैं.

■ सफाई ही सबसे बड़ा उपाय

इन सभी उपायों के साथ सबसे जरूरी है घर की नियमित सफाई. खाना खुला न छोड़ें, कचरा समय पर फेंकें और किचन को सूखा रखें. जब कॉकरोच को पनपने का माहौल ही नहीं मिलेगा, तो वे खुद-ब-खुद खत्म हो जाएंगे.

आज का राशिफल

मेष : आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। करियर के क्षेत्र में उन्नति के योग हैं। आपके प्रयासों को पहचान मिलेगी और वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा, संबंधों में मधुरता आएगी।

वृषभ : आज आपका भाग्य पूरी तरह से साथ देगा। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी। नौकरी में बदलाव का सोच रहे हैं तो यह समय अनुकूल है। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और किसी मांगलिक कार्य का संयोग बन सकता है। सेहत में सुधार होगा।

मिथुन : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, लेकिन सामाजिक कार्यों से जुड़े लोगों को कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। संतान की ओर से कोई शुभ समाचार मिल सकता है। नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन सामान्य से बेहतर रहेगा।

कर्क : आज आप अपनी रचनात्मकता पर ध्यान केंद्रित करेंगे। आपके काम से लोग प्रभावित होंगे और आपको सराहना मिलेगी। सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और किसी संस्था से जुड़ने का मौका मिल सकता है। अपनी योजनाओं को गति देंगे और आर्थिक सौदेबाजी में सफल रहेंगे।

सिंह : आज का दिन आपके करियर में उतार-चढ़ाव ला सकता है। हालांकि, मित्रों और शुभचिंतकों का सहयोग मिलेगा। आय के नए स्रोत खुलने और बड़े धन लाभ की संभावना है। पारिवारिक जीवन खुशहाल रहेगा और घर में किसी शुभ कार्य का आयोजन हो सकता है। सेहत का ध्यान रखें।

कन्या : आज आप अपनी निर्णय लेने की क्षमता से लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र में कामकाज के चलते व्यस्तता अधिक रहेगी, लेकिन सभी रुके हुए काम पूरे हो जाएंगे। इससे भविष्य में लाभ कमाने के मौके मिलेंगे। यात्रा का योग बन सकता है। प्रेम और व्यापार दोनों के लिए दिन अच्छा है।

तुला : आज का दिन आपके लिए चुनौतियों से भरा हो सकता है, इसलिए धैर्य बनाए रखें। कोई भी बड़ा निवेश सोच-समझकर करें। प्राइवेट नौकरी करने वालों को अपनी मेहनत के लिए पहचान मिलेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी, लेकिन जीवनसाथी से गलतफहमी हो सकती है।

वृश्चिक : आज आपका पराक्रम रंग लाएगा। रोजी-रोजगार में तरक्की के योग हैं। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। व्यापार में लाभ होगा। प्रेम संबंधों में मधुरता बनी रहेगी, और आप आत्म-विश्वास से खिल उठेंगे। मित्रों का परामर्श आपके लिए मार्गदर्शक होगा।

धनु : आज आपको जुआ, सट्टा या लॉटरी जैसे जोखिम भरे कामों से बचना चाहिए। अपनी जुबान पर नियंत्रण रखें, अन्यथा परिवार में किसी बात को लेकर विवाद हो सकता है। दोस्ती और समझदारी से सफल निर्णय लेकर सकारात्मक माहौल बना सकते हैं।

मकर : आज आपके लिए सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। कार्य और व्यापार में तरक्की मिलेगी। कार्यक्षेत्र में प्रबंधन से जुड़े मामले आपके पक्ष में रहेंगे। स्वास्थ्य में सुधार होगा और प्रेम-संतान का पूरा साथ मिलेगा। आज करियर संबंधी निर्णयों पर पुनर्विचार करने का समय है।

कुंभ : आज का दिन आपके लिए कुछ खर्चों वाला हो सकता है, इसलिए बजट का ध्यान रखें। यात्रा पर जाने के योग हैं। विरोधी सक्रिय हो सकते हैं, इसलिए सतर्क रहें। स्वास्थ्य थोड़ा नरम-गरम रह सकता है। रोमांस बढ़ेगा। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी।

मीन : आज आपकी आय में वृद्धि हो सकती है। रुका हुआ पैसा वापस मिलेगा। कार्यक्षेत्र में किए गए प्रयासों से लाभ मिलेगा। सेहत अच्छी रहेगी और पारिवारिक जीवन भी सुखद रहेगा। किसी महत्वपूर्ण काम में आपको सफलता मिल सकती है। अनपेक्षित सफल अवसर, लचीलेपन की ज़रूरत है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

बिना काटे कैसे चुनें मीठा तरबूज?

- खरीदारी करते समय जरूर चेक करें ये 5 चीजें

गर्मियों का मौसम आते ही बाजार में हर तरफ तरबूज नजर आने लगते हैं। चिलचिलाती धूप में तरबूज न केवल प्यास बुझाता है, बल्कि शरीर को ताजगी भी देता है, लेकिन कई बार तरबूज मीठे नहीं निकलते हैं। इसलिए तरबूज खरीदते समय यह एक बड़ी चुनौती होती है कि मीठा और पूरी तरह पका हुआ तरबूज कैसे चुनें। इसमें कुछ टिप्स आपके काम आ सकते हैं। आइए जानें इनके बारे में।

■ पीली धारियां चेक करें

तरबूज की शुद्धता और उसके मीठे होने का सबसे बड़ा प्रमाण है उस पर बनी पीली धारियां। अगर तरबूज पर पीले रंग की धारियां बनी हैं, तो समझ जाइए कि वह अंदर से पूरी तरह पका हुआ है और मीठा होगा। लेकिन अगर पीले की जगह सफेद या हरी धारियां दिखें, तो इसका मतलब है कि तरबूज या तो पूरी तरह पका नहीं है या उसे केमिकल से पकाया गया है।

■ वजन से करें पहचान

तरबूज को उठाकर उसका वजन महसूस करें। एक पका हुआ और रसीला तरबूज हमेशा अपने आकार की तुलना में भारी महसूस होगा। भारी होने का मतलब है कि तरबूज में पानी की मात्रा भरपूर है और वह पूरी तरह से रस से भरा हुआ है। अगर आकार बड़ा है लेकिन वजन हल्का लग रहा है, तो समझ लीजिए कि वह अंदर से सूख चुका है या बहुत ज्यादा रेशेदार है।

■ थपथपा कर आवाज सुनें

तरबूज को अपने हाथ से हल्के से थपथपाएं या अपनी उंगलियों से नॉक करें। अगर थपथपाने पर आवाज गहरी और थोड़ी खोखली आती है, तो वह एक पके हुए तरबूज की निशानी है। लेकिन अगर आवाज खोखली नहीं आ रही है, तो इसका मतलब है कि तरबूज अभी कच्चा है।

■ छिलके की बनावट और धारियां

तरबूज का बाहरी हिस्सा भी बहुत कुछ बयां करता है। एक अच्छे तरबूज का छिलका गहरा हरा और मैट होना चाहिए। चमकने वाला तरबूज अक्सर कच्चा होता है क्योंकि पकने के बाद उसकी चमक कम हो जाती है। साथ ही, अगर तरबूज पर भूरे रंग के जालीदार निशान दिखें, तो भी समझ जाइए कि तरबूज काफी मीठा है।

■ आकार पर दें ध्यान

तरबूज चुनते समय बहुत ज्यादा टेढ़े-मेढ़े आकार वाले तरबूज से बचें। हमेशा एक समान आकार वाला तरबूज चुनें। इसका मतलब होता है कि तरबूज को सही मात्रा में धूप और पानी मिला है।

गर्मी में कुडजू स्टार्च का करें सेवन

कसावा या कुडजू स्टार्च पाउडर से बना पेय लंबे समय से गर्मियों में इस्तेमाल किया जाने वाला पारंपरिक और ताजगी देने वाला पेय माना जाता है. यह सस्ता होने के साथ-साथ शरीर को ठंडक देता है और कई स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करता है. खासतौर पर गर्मी के मौसम में लोग इसे शरीर को ठंडा रखने और ऊर्जा बनाए रखने के लिए पीते हैं. आयुर्वेद के जानकार शिव कुमार पांडे ने बताया कि

यह पेय रक्त शर्करा को नियंत्रित करने और गुर्दे की समस्याओं से जूझ रहे लोगों के लिए लाभकारी माना जाता है.

उन्होंने कहा कि कई लोगों में यह धारणा है कि कसावा या कुडजू स्टार्च पाउडर के ज्यादा सेवन करने से गुर्दे की पथरी बन सकती है. हालांकि यह पूरी तरह गलतफहमी है. चिकित्सा साहित्य में अब तक ऐसा कोई प्रमाण नहीं मिला है कि कुडजू पाउडर के सेवन से पथरी बनती है. इसमें ऐसे सक्रिय तत्व नहीं पाए जाते हैं. जो पथरी बनने का कारण बनें.

साथ ही कहा कि पारंपरिक चिकित्सा के अनुसार कुडजू की जड़ का स्वाद मीठा और प्रकृति तटस्थ होती है. यह शरीर की गर्मी कम करने, प्यास बुझाने, बुखार, खसरा, फोड़े-फुंसी और सर्दी में राहत देने में उपयोगी मानी जाती है. इसके अलावा यह हैंगओवर से राहत दिलाने में भी प्रभावी बताई जाती है. गर्मी के दिनों में इसे ठंडक देने वाले प्राकृतिक पेय के रूप में इस्तेमाल किया जाता है.

उन्होंने बताया कि कुडजू स्टार्च पाउडर रक्त संचार को बेहतर बनाने, रक्त शर्करा को नियंत्रित करने और रक्तचाप कम करने में सहायक हो सकता है. इसके अलावा यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, यकृत कोशिकाओं की रक्षा करने और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने में भी मदद करता है. यह श्वसन संक्रमण से बचाव और हृदय स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माना जाता है.

साथ ही कहा कि यह लाभकारी है, लेकिन इसका सेवन सीमित मात्रा में ही करना चाहिए. इसे रोजाना एक गिलास से अधिक सेवन न करने की सलाह देते हैं. इसे शहद के साथ मिलाकर नहीं पीना चाहिए. क्योंकि इससे प्रतिकूल प्रतिक्रिया हो सकती है. सुबह इसका सेवन बेहतर माना जाता है. जबकि शाम को पीने से बचने की सलाह दी जाती है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

हुक्का बार की आड़ में नाबालिग लड़कियों का शोषण करने वालों पर कसा शिकंजा

गोरखपुर. गोरखपुर के शाहपुर क्षेत्र में हुक्काबार और होटल की आड़ में नाबालिगों लड़कियों और महिलाओं के शोषण के मामले में पुलिस ने शिकंजा और कस दिया है। गैंगस्टर एक्ट के तहत जेल में बंद 13 अन्य आरोपियों की संपत्तियां जब्त करने की भी तैयारी शुरू कर दी गई है। पुलिस ने दो टीमें गठित कर आरोपियों की चल-अचल संपत्तियों का ब्योरा जुटाना शुरू कर दिया है। गीता वाटिका के पास स्थित फ्लाई इन-2 होटल में जनवरी में छापेमारी के दौरान तीन नाबालिग लड़कियों ने होटल और हुक्काबार में गैंगरेप और जबरन देह व्यापार कराने का आरोप लगाया था। इस मामले में होटल संचालक समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने होटल संचालक अनुराग सिंह की करीब छह करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त कराया है।

10 दिन से लापता किशोर की हत्या, नाबालिग दोस्तों ने शव के टुकड़े कर दफनाया

उरई. यूपी के उरई से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां 25 मार्च से लापता चल रहे किशोर की काटकर हत्या कर दी गई और शव के टुकड़े दोस्त के घर जानवरों के बाड़े में मिट्टी के ढेर में दबा मिलने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने दो दोस्तों को हिरासत में ले लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। जबकि शव के टुकड़ों को बरामद करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। ये घटना माधौगढ़ क्षेत्र के रुदपुरा गांव का है। जहां परमाल सिंह के 16 वर्षीय बेटा कमल प्रताप सिंह बीती 25 मार्च से लापता चल रहा था। परिजनों के अनुसार, कमल अपने दोस्त तेज प्रताप और रोहित के घर जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद भी जब कोई सुराग नहीं मिला तो परिजनों ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मंगलवार रात को पुलिस ने दोनों दोस्तों को हिरासत में लिया। उन्होंने कमल प्रताप की हत्या करना ही नहीं कुबूला बल्कि बुधवार सुबह कमल का शव उसके दोस्त रोहित के घर में जानवरों के बाड़े में मिट्टी के ढेर में बोरी में बंद मिला।

कैफे में नाबालिग छात्रा से गैंगरेप

भोजीपुरा. यूपी के भोजीपुरा में बातों में फंसाकर नाबालिग छात्रा को कैफे में जाकर गैंगरेप किया गया और किसी को बताने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी। मामला खुलने पर छात्रा के ताऊ की तहरीर पर पुलिस ने कैफे संचालक सहित सात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। आरोपियों की तलाश की जा रही है। भोजीपुरा के एक कस्बे की रहने वाली 16 वर्षीय छात्रा को खजुरिया निवासी असद हैदर 19 मार्च को घुमाने के बहाने जादौंपुर स्थित सैफी कैफे (रेस्टोरेंट) में ले गया। वहां उसने कैफे की छत पर बने कमरे में छात्रा के साथ दुष्कर्म किया और उसकी अश्लील वीडियो बना ली। छात्रा को धमकी दी कि किसी को इस बारे में बताया तो उसकी वीडियो वायरल कर दी जाएगी। बदनामी के डर से छात्रा ने परिजन से घटना को छिपा लिया। मगर इसके बाद असद बार-बार छात्रा पर मिलने का दबाव बनाने लगा।

अमेरिका-ईरान में 2 हफ्ते का सीजफायर

- 40वें दिन जंग रुकी
- ट्रम्प बोले- PAK पीएम और आर्मी चीफ की अपील के बाद फैसला

नई दिल्ली. अमेरिका और ईरान के बीच 40 दिन से जारी जंग के बाद आखिरकार 2 हफ्ते के सीजफायर पर सहमति बन गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और आर्मी चीफ की अपील के बाद लिया गया। सीजफायर से पहले ट्रम्प ने ईरान को कड़ी चेतावनी दी थी कि अगर होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों को सुरक्षित रास्ता नहीं मिला तो वह उसकी पूरी सभ्यता खत्म कर देंगे। उन्होंने अहम इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले की भी धमकी दी थी। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह डील पाकिस्तान की मध्यस्थता और आखिरी समय में चीन के दखल से संभव हो पाई। पाकिस्तान ने 2 हफ्ते के सीजफायर का प्रस्ताव रखा था, जिसे ईरान ने स्वीकार कर लिया।

समझौते के तहत अमेरिका और इजराइल अपने हमले रोकेंगे। ईरान भी हमले बंद करेगा। इस दौरान होर्मुज स्ट्रेट से तेल, गैस और अन्य जहाजों की सुरक्षित आवाजाही ईरानी सेना की मदद से सुनिश्चित की जाएगी।

इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच 10 अप्रैल को औपचारिक बातचीत पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुरू होगी।

ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा

ट्रम्प ने बताया कि ईरान ने अमेरिका को 10 पॉइंट का प्लान भेजा है। उन्होंने कहा कि इस पर आगे बातचीत की जा सकती है। वहीं ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल ने दावा किया है कि अमेरिका ने उसका 10 पॉइंट प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। काउंसिल के मुताबिक यह समझौता ईरान की शर्तों पर हुआ है और इसे देश की जीत बताया है।

होर्मुज में बिना इजाजत जहाज घुसा तो उड़ा देंगे

ईरान ने अमेरिका के साथ दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के कुछ घंटों बाद ही होर्मुज में अपनी सख्ती दिखा दी। ईरानी नौसेना ने चेतावनी दी है कि बिना तेहरान की अनुमति के कोई भी जहाज स्ट्रेट में प्रवेश करने की कोशिश करेगा तो उसे नष्ट कर दिया जाएगा। ईरानी नौसेना ने समुद्री मार्ग के पास मौजूद जहाजों को रेडियो संदेश भेजकर स्पष्ट किया कि होर्मुज पार करने के लिए ईरानी सेपाह नौसेना से अनुमति लेना अनिवार्य है। संदेश में कहा गया कि होर्मुज से गुजरने के लिए आपको ईरानी सेपाह नौसेना से अनुमति लेनी होगी। यदि कोई भी पोत बिना अनुमति के गुजरने का प्रयास करता है, तो उसे नष्ट कर दिया जाएगा।

दक्षिण के रण में मोदी की हुंकार

- राहुल गांधी गायब!
- चुनाव से पहले ही दरक रहा कांग्रेस-DMK गठबंधन?

नई दिल्ली. तमिलनाडु में चुनावी सरगर्मियां जोरों पर हैं। जहां एक तरफ भारतीय जनता पार्टी (BJP) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार राज्य के दौरे कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तमिलनाडु में चुनाव प्रचार से दूरी राजनीतिक हलकों में कई सवाल खड़े कर रही है।

- पीएम मोदी का आक्रामक चुनाव प्रचार

पिछले दो महीनों के भीतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा और अपने सहयोगी दलों के पक्ष में माहौल बनाने के लिए तीन बार तमिलनाडु का दौरा किया है। उनका यह अभियान यहीं नहीं रुकने वाला है; पीएम मोदी 15 अप्रैल को फिर से राज्य का दौरा करने वाले हैं, जहां वे नागरकोइल में एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित कर वोट मांगेंगे।

- पुडुचेरी में दिखा दूरियों का असर

टाइम्स ऑफ इंडिया के मुताबिक, दोनों दलों के बीच तनाव का सबसे स्पष्ट संकेत सोमवार को पुडुचेरी में देखने को मिला। चुनाव प्रचार के अंतिम दौर में राहुल गांधी पुडुचेरी पहुंचे। उन्होंने वहां की जनता से कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के उम्मीदवारों के लिए समर्थन मांगा, लेकिन उन्होंने अपने पूरे भाषण में सहयोगी पार्टी DMK और उसके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन का नाम तक नहीं लिया।

सबसे दिलचस्प बात यह रही कि उसी दिन एम.के. स्टालिन भी पुडुचेरी में मौजूद थे। लेकिन दोनों शीर्ष नेताओं के प्रचार का कार्यक्रम कुछ इस तरह से निर्धारित किया गया था कि दोनों का आमना-सामना ही न हो सके। राहुल गांधी ने जहां सुबह के समय अपना प्रचार अभियान चलाया, वहीं स्टालिन शाम को वहां पहुंचे।

राहुल गांधी की गैरमौजूदगी और DMK के साथ रिश्तों पर सवाल

- पीएम मोदी के इस ताबड़तोड़ प्रचार के ठीक विपरीत, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने अब तक तमिलनाडु में एक बार भी चुनाव प्रचार नहीं किया है। उनकी इस अनुपस्थिति ने इन अटकलों को हवा दे दी है कि कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) गठबंधन के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है।
- राजनीतिक विश्लेषक इस स्थिति की तुलना 2021 के विधानसभा चुनाव से कर रहे हैं। उस समय राहुल गांधी ने चुनाव से काफी पहले, जनवरी महीने में ही तीन दिवसीय दौरे के साथ तमिलनाडु में अपने चुनाव प्रचार का शंखनाद कर दिया था।

ममता बनर्जी ने भरा भवानीपुर से नामांकन

- भाजपा के सुवेंदु अधिकारी यहां से उम्मीदवार
- असम-केरल और पुडुचेरी में चुनाव प्रचार थमा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट से नामांकन भरा। भाजपा ने इसी सीट से सुवेंदु अधिकारी को उम्मीदवार बनाया है। वे नेता विपक्ष भी हैं।

सुवेंदु 2 अप्रैल को नामांकन कर चुके हैं। इस दौरान गृह मंत्री अमित शाह उनके साथ मौजूद थे। भवानीपुर के अलावा ममता और सुवेंदु नंदीग्राम से भी आमने-सामने हैं। 2021 में उन्होंने ममता को यहां से हराया था।

वहीं, तमिलनाडु के सीएम स्टालिन करूर और इरोड में आज चुनावी सभा करेंगे। असम, केरल और पुडुचेरी में 9 अप्रैल को सिंगल फेज में वोटिंग है। इसलिए मंगलवार शाम 5 बजे तीन राज्यों में चुनाव प्रचार थमा।

खड़गे ने गुजरातियों पर दिए बयान पर खेद जताया

- केरलम में गुजरातियों को अनपढ़ कहा था
- दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर महिलाओं का प्रदर्शन

नई दिल्ली. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को गुजरातियों से जुड़े विवादित बयान पर खेद जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि मेरे बयान को जानबूझकर गलत तरीके से पेश किया गया। मैं शब्दों पर खेद व्यक्त करता हूं।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक, खड़गे ने रविवार को केरल के इडुक्की में कहा था कि राज्य के लोग 'पढ़े-लिखे और समझदार' हैं और उन्हें गुमराह नहीं किया जा सकता, जबकि गुजरात और कुछ अन्य जगहों के लोग 'अनपढ़' हैं। उधर, गुजराती समुदाय के लोगों ने खड़गे के बयान को लेकर आज दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। खड़गे के खिलाफ नारेबाजी की और मांफी मांगने की अपील की।

BJP बोली- राहुल, सोनिया जवाब दें

BJP के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कांग्रेस नेतृत्व से इस पर जवाब मांगा। उन्होंने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा से पूछा कि क्या वे खड़गे के बयान से सहमत हैं। प्रसाद ने कहा, "क्या वे इस बयान से सहमत हैं? अगर राहुल गांधी में समझ है तो उन्हें इस टिप्पणी से दूरी बनानी चाहिए, इसकी निंदा करनी चाहिए और माफी की मांग करनी चाहिए।'

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि खड़गे को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने साढ़े छह करोड़ गुजरातियों का अपमान ही नहीं किया है, बल्कि महात्मा गांधी और सरदार पटेल की पवित्र भूमि के गौरव को भी ठेस पहुंचाई है।

रेत माफिया ने वन रक्षक को ट्रैक्टर से कुचला, मौत

- मुरैना में गश्त पर निकली थी टीम
- मर्डर के बाद रेत बेचकर भाग निकला आरोपी

मुरैना. मुरैना में रेत का अवैध परिवहन कर रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली ड्राइवर ने वन रक्षक को कुचल दिया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वारदात दिमनी थाना इलाके में रानपुर गांव चौराहे के पास बुधवार सुबह करीब 6 बजे की है।

पुलिस ने बताया कि वन विभाग की 6 सदस्यीय टीम रूटीन गश्त पर निकली थी। इसी दौरान सामने से रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली आती दिखी। टीम ने रुकने का इशारा किया तो ड्राइवर विनोद कोरी ने रेत से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भागने की कोशिश की।

वन रक्षक हरकेश गुर्जर रोकने के लिए आगे बढ़े तो विनोद ने उनको कुचल दिया। फिर ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर भाग निकला। पास ही बने पेट्रोल पंप के सीसीटीवी में आरोपी विनोद कोरी की तस्वीरें कैद हुई हैं।

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़, एसपी समीर सौरभ और डीएफओ हरिश्चंद्र बघेल मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों से बात की। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

- वन विभाग ने 3 आरोपियों के नाम दिए

आवेदन के मुताबिक, बुधवार सुबह करीब 5:30 बजे वन विभाग की टीम सरकारी गाड़ी नंबर MP02 ZA 0821 से गश्त पर निकली थी। टीम में वनकर्मी संदीप, शत्रुघ्नविनोद, हरकेश और गेम रेंज ऑफिसर वीर कुमार तिर्की थे।

कृषि मंत्री के बेटे ने की नामजद FIR की मांग

कृषि मंत्री एदल सिंह कंसाना के बेटे बंकू उर्फ कप्तान कंसाना भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे। पुलिस अधिकारियों से मामले में नामजद एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि दिमनी थाने से मृतक के परिजन को फोन कर जबरन एफआईआर पर साइन करवाए जा रहे हैं।

कांग्रेस की दिग्गज नेता मोहसिना किदवई का दिल्ली में निधन

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दिग्गज नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मोहसिना किदवई का बुधवार को 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वे पिछले कुछ समय से उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रही थीं। उनके परिवार और दामाद रजी उर रहमान किदवई ने उनके निधन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोहसिना किदवई ने बुधवार तड़के नोएडा के मेट्रो अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से भारतीय राजनीतिक गलियारे, विशेषकर कांग्रेस पार्टी में शोक की लहर दौड़ गई है।

TMC का आरोप- चुनाव आयोग ने 5 मिनट में भगाया

- SIR पर आपत्ति जताने गए थे
- EC ने कहा- बंगाल में चुनाव भय मुक्त होंगे

कोलकाता. पश्चिम बंगाल चुनाव को लेकर तृणमूल कांग्रेस (TMC) और चुनाव आयोग आमने-सामने आ गए हैं। सांसद डेरेक ओ'ब्रायन के नेतृत्व में TMC का प्रतिनिधि मंडल बुधवार सुबह दिल्ली में चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा। डेरेक ने कहा कि हमने SIR के मुद्दे पर समय मांगा था, लेकिन मीटिंग के दौरान हमारे साथ खराब व्यवहार किया गया। मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ने हमें सिर्फ 5 मिनट में भगा दिया। डेरेक ओ'ब्रायन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि बैठक सुबह 10:02 बजे शुरू हुई और 10:07 बजे खत्म हो गई। चुनाव आयोग के सूत्रों के मुताबिक, डेरेक ओ'ब्रायन ने CEC को बोलने से रोका और धमकी दी। वह कोई बात सुन ही नहीं रहे थे। उधर, विपक्षी दलों ने शाम 4.45 बजे इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। इसमें कांग्रेस, TMC, सपा, DMK, AAP, RJD, शिवसेना (UBT), CPI(M) और CPI के नेता शामिल होंगे।

टीएमसी के साथ बैठक खत्म होने के बाद चुनाव आयोग ने सुबह 10:20 बजे सोशल मीडिया X पर पोस्ट किया- चुनाव आयोग की टीएमसी को दो टूक।

वैभव ने बुमराह की पहली बॉल पर सिक्स लगाया

- यशस्वी के IPL में 100 सिक्स पूरे
- राजस्थान की दूसरी फास्टेस्ट टीम फिफ्टी

राजस्थान रॉयल्स ने मंगलवार को IPL 2026 के 13वें मैच में मुंबई इंडियंस को 27 रन से हरा दिया। बारिश के कारण यह मैच 11-11 ओवर का ही हुआ। गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में हुए मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर सिक्स लगा दिया। यशस्वी जायसवाल ने IPL में 100 सिक्स पूरे कर लिए। वैभव और यशस्वी की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर राजस्थान ने महज 2.4 ओवर में 50 रन बनाकर IPL इतिहास की दूसरी सबसे तेज टीम फिफ्टी लगाई।

राजस्थान ने अपने रिकॉर्ड की बराबरी की

राजस्थान रॉयल्स ने अपनी ही सबसे तेज टीम फिफ्टी रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। टीम ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 2.4 ओवर में 50 रन पूरे किए। इससे पहले भी राजस्थान ने 2023 में 2.4 ओवर में ही कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ फिफ्टी लगाई थी। सबसे तेज टीम फिफ्टी का रिकॉर्ड रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के नाम है, जिन्होंने 2011 में कोच्चि टस्कर्स केरल के खिलाफ 2.3 ओवर में 50 रन बनाए थे।

वैभव 19 या उससे कम उम्र में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बैटर

वैभव सूर्यवंशी 19 साल या उससे कम उम्र में IPL में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने 10 पारियों में 35 सिक्स लगाए हैं। इस मामले में उन्होंने ऋषभ पंत (30) और ईशान किशन (30) को पीछे छोड़ा।

यशस्वी के IPL में 100 सिक्स पूरे

यशस्वी जायसवाल ने IPL में अपने 100 सिक्स पूरे किए। वे राजस्थान रॉयल्स के लिए 100 या उससे ज्यादा सिक्स लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। इस मामले में संजू सैमसन (192) टॉप पर हैं, जबकि जोस बटलर (135) और शेन वॉटसन (109) उनसे आगे हैं।

यशस्वी ने पहले ओवर में 5 बाउंड्री लगाई

यशस्वी जायसवाल ने पहले ओवर में 4 चौके और एक सिक्स लगा दिया। उन्होंने दीपक चाहर के खिलाफ 22 रन बटोरे। इस ओवर में जायसवाल ने पहली ही गेंद पर चौका लगा दिया। उन्होंने दूसरी गेंद पर सिक्स जड़ा और फिर तीसरी व चौथी गेंद पर लगातार बाउंड्री लगाईं। ओवर की आखिरी गेंद पर भी चौका लगा दिया।

11 साल बाद जेल से बाहर आएगा रामपाल

- देशद्रोह केस में हाईकोर्ट से जमानत
- हिसार के सतलोक आश्रम में 6 लोगों की मौत हुई थी

चंडीगढ़. सतलोक आश्रम के प्रमुख रामपाल को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। हत्या व अन्य धाराओं में दर्ज केस में उम्रकैद की सजा काट रहे रामपाल को जमानत मिल गई है। रामपाल 11 साल, 4 महीने और 20 दिन से जेल हिसार सेंट्रल जेल-2 में बंद है। वह आज जेल से बाहर आ सकता है।

हिसार सेंट्रल जेल-2 के सुपरिंटेंडेंट उमेश कुमार ने बताया कि हाईकोर्ट के जमानत ऑर्डर संबंधित कोर्ट में जाएंगे। उसके बाद वहां बॉन्ड भरा जाएगा। इसके बाद ऑर्डर जेल आएंगे। फिर रामपाल को जेल से रिलीज किया जाएगा।

रामपाल को 19 नवंबर 2014 को हिसार जिले के बरवाला स्थित सतलोक आश्रम से गिरफ्तार किया गया था। हाईकोर्ट ने उसे कोर्ट की अवमानना के एक मामले में पेश होने का आदेश दिया था, लेकिन वह पेश नहीं हुआ।

जब पुलिस उसे गिरफ्तार करने पहुंची, तो समर्थकों से झड़प हो गई। इस टकराव में 5 महिलाओं और डेढ़ साल के बच्चे की मौत हुई थी। इसी मामले में रामपाल पर देशद्रोह का केस दर्ज किया गया था।

कुरुक्षेत्र आश्रम जा सकता है...

रोहतक के करौंथा और हिसार के सतलोक आश्रमों में पहले हुए विवादों को देखते हुए, रामपाल कुरुक्षेत्र में पिपली के पास बने सतलोक आश्रम में जा सकता है। अगले महीने, 1 से 3 मई तक, इसी आश्रम में विश्व शांति के लिए पाठ का आयोजन किया गया है, जिसमें देशभर से रामपाल के समर्थक जुड़ेंगे। यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि इस आश्रम को हेडक्वार्टर बनाया जा सकता है। पिपली आश्रम के मुख्य सेवादार पुरुषोतम दास ने कहा- यह उनका आश्रम है, वह यहां जरूर आएंगे। वह पहले कहां जाएंगे, इसकी जानकारी नहीं है। सेवादारों में बहुत खुशी है कि गुरुजी आ रहे हैं।

मोनालिसा की शादी पर संकट!

खरगोन. प्रयागराज के महाकुंभ से वायरल गर्ल बनीं मोनालिसा भोंसले और फरमान की शादी पर संकट के बादल घिर गए हैं। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मोनालिसा के नाबालिग होने की शिकायत पर नोटिस जारी कर उम्र जांच करने के आदेश दिए हैं। मध्य प्रदेश में खरगोन के एसपी को मामले की जांच सौंपी गई है। मोनालिसा को अपनी उम्र से जुड़े दस्तावेज पेश करने होंगे। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने खरगोन एसपी को नोटिस जारी किया है और 7 दिनों के भीतर एक्शन टेकन रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। आयोग के संज्ञान में यह मामला 27 मार्च को आई एक शिकायत के जरिए आया। इसमें दावा किया गया कि मोनालिसा नाबालिग है।

परमाणु ऊर्जा का शक्तिमानः स्वदेशी फास्ट ब्रीडर रिएक्टर तैयार

- 400 साल की बिजली गारंटी
- ऐसा करने वाला भारत दुनिया का दूसरा देश

नई दिल्ली. भारत ने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में वह कीर्तिमान स्थापित किया है, जिसने दुनिया के विकसित देशों को चौंका दिया है। तमिलनाडु के कलपक्कम में भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी-BHAVINI) का 500 मेगावाट का प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर (पीएफबीआर) अब कमर्शियल उत्पादन लिए तैयार है।

इसे बनाने में 200 से अधिक भारतीय एमएसएमई और निजी कंपनियों ने कलपुर्जे बनाए हैं। इस वजह से भारत पर किसी भी तरह के विदेशी प्रतिबंधों का कोई असर नहीं होगा।

रूस के बाद भारत दुनिया का दूसरा ऐसा देश बन गया है, जिसने इस जटिल तकनीक को व्यावसायिक स्तर पर उतारा है। इसे किसी विदेशी मदद के बिना, पूरी तरह स्वदेशी इंजीनियरिंग से तैयार किया गया है। इससे भारत के न्यूक्लियर प्रोग्राम के स्टेज-3 का रास्ता खुलेगा और थोरियम से परमाणु बिजली बनाना संभव होगा।

परमाणु विशेषज्ञों के अनुसार, सामान्य रिएक्टरों की तुलना में 'फास्ट ब्रीडर रिएक्टर' कहीं अधिक उन्नत होते हैं। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह जितना ईंधन (यूरेनियम) इस्तेमाल करता है, उससे कहीं ज्यादा पैदा करता है। इसीलिए इसे 'ब्रीडर' कहा जाता है। भारत के पास यूरेनियम के भंडार सीमित हैं, लेकिन थोरियम का विशाल भंडार है।

यह रिएक्टर भारत के 'तीन चरणों वाले परमाणु कार्यक्रम' के दूसरे चरण की शुरुआत है, जो भविष्य में थोरियम के इस्तेमाल का रास्ता खोलेगा। परमाणु विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका, फ्रांस ने परमाणु रिएक्टर के एक ही डिजाइन- पैशराइज्ड वाटर रिएक्टर (पीडब्ल्यूआर) को अपनाया। जर्मनी और ब्रिटेन की कोशिश नाकाम रही। भारत ने इस जटिल इंजीनियरिंग चुनौती को स्वीकार किया।

भारत में लगभग 9.63 लाख टन थोरियम का भंडार है। एक बार जब हम तीसरे चरण में पूरी तरह प्रवेश कर जाएंगे, तो ये भंडार भारत को अगले 400 वर्षों तक निर्बाध बिजली प्रदान करने में सक्षम होंगे। परमाणु वैज्ञानिक डॉ. अनिल काकोदकर के विजन का जिक्र करते हुए विशेषज्ञ बताते हैं कि हालांकि इस परियोजना में समय लगा, जो 'मेक इन इंडिया' की बड़ी मिसाल है। यह भारत की 'ऊर्जा संप्रभुता' का घोषणा-पत्र जैसा है।

उल्हास विकास
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संक्षेप...

20 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

नवी मुंबई. महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन के विभागीय अध्यक्ष और स्टोर मुखिया को भ्रष्टाचार नियंत्रण विभाग ने ने 20,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा है. यह रिश्वत बिजली के काम के मेंटेनेंस और रिपेयर के पेमेंट को ट्रांसफर करने के लिए मांगी गई थी. राजेंद्र अहिरे महाराष्ट्र स्टेट बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एंड हायर सेकेंडरी एजुकेशन, (क्लास-1) के विभागीय अध्यक्ष हैं, जबकि मनोहर पवार शिक्षा बोर्ड की स्टोर्स ब्रांच के प्रमुख हैं. इस मामले में शिकायत करने वाला पेशे से एक इलेक्ट्रिकल ठेकेदार है.

बीकेसी में भारत की पहली चालक रहित 'पॉड' टैक्सी प्रणाली

पहला चरण दस महीने में पूरा होगा

मुंबई. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को भारत की पहली चालक रहित 'पॉड टैक्सी' परियोजना का शिलान्यास किया। यह एक स्वचालित तीव्र पारगमन प्रणाली है, जिसे मुंबई में कुर्ला और बीकेसी के बीच विकसित किया जा रहा है, ताकि दैनिक यात्रियों को अंतिम-छोर तक पहुँच मिल सके।

चेम्बूर स्थित डायमंड गार्डन मेट्रो स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ दोनों उपमुख्यमंत्रियों- एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार ने भी शिरकत की। फडणवीस ने कहा कि परियोजना के लिए सभी आवश्यक स्वीकृतियाँ प्राप्त हो गई हैं।

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) वित्तीय राजधानी के सबसे बड़े व्यापारिक केंद्र तक अंतिम छोर का संपर्क प्रदान करने के लिए कुर्ला और बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीच 'पॉड टैक्सी' परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है।

बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) मुंबई, भारत का एक प्रमुख व्यावसायिक ज़िला है, जिसे एमएमआरडीए ने व्यावसायिक गतिविधियों को विकेंद्रित करने के उद्देश्य से विकसित किया है। एमएमआरडीए के अधिकारियों ने बताया कि 8.85 किलोमीटर लंबी स्वचालित तीव्र पारगमन प्रणाली (एआरटीएस) के चरणों में विकसित होने पर 'अंतिम छोर तक संपर्क' को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। परियोजना मार्ग में 22 वातानुकूलित स्टेशन होंगे, जो लगभग 200 मीटर के अंतराल पर स्थित होंगे। इसके पहले चरण में बांद्रा (पूर्वी) और कुर्ला के बीच 3.36 किलोमीटर का हिस्सा शामिल होगा। यह प्रणाली एलबीएस मार्ग, कलानगर और बीकेसी जैसे प्रमुख स्थानों को जोड़ेगी, तथा बांद्रा और कुर्ला उपनगरीय रेलवे स्टेशनों को आपस में मिलाएगी।

'पॉड टैक्सी' में कोई चालक नहीं होगा और एआई-आधारित यह सेवा एक खास समर्पित मार्ग पर चलेगी तथा बैटरी ऊर्जा से संचालित होगी। हर पॉड में अधिकतम छह यात्री बैठ सकेंगे और यह 40 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ़्तार से हर 15 सेकंड के अंतराल पर चलेगी। ये 'पॉड' सिर्फ़ उन स्टेशनों पर रुकेंगे, जिन्हें यात्रियों ने चुना होगा, जिससे सफ़र और भी तेज़ एवं अधिक सुगम बन जाएगा।

यह परियोजना सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर लागू की जाएगी, जिससे राज्य सरकार या एमएमआरडीए पर कोई वित्तीय बोझ नहीं पड़ेगा, और साथ ही प्राधिकरण के लिए राजस्व भी उत्पन्न होगा। अधिकारियों ने बताया कि 'पॉड टैक्सी' प्रणाली से यातायात जाम कम होने, यात्रा का समय घटने और पर्यावरण-अनुकूल आवागमन को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है; साथ ही, 2031 तक इसके ज़रिए रोज़ाना 1.09 लाख से अधिक यात्रियों के सफ़र करने का अनुमान है।

समारोह को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि 'पॉड टैक्सी' परियोजना की योजना इस तरह से बनाई गई है कि कुर्ला या बांद्रा जाने वाले यात्रियों को किसी अन्य सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं होगी। यह उल्लेख करते हुए कि परियोजना का पहला चरण 10 महीने के भीतर तैयार हो जाएगा, फडणवीस ने एमएमआरडीए से कहा कि अगर कोई एजेंसी परियोजना का काम रोकने की कोशिश करती है, तो उन्हें तुरंत सूचित किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए बीकेसी में सुरंगों का एक नेटवर्क विकसित किया जाएगा।

दिल दहला देने वाला हादसा CCTV में कैद

बाइक फिसलने से स्कूल बस के पहिए के नीचे आए 3 दोस्त, 2 की मौत

मुंब्रा. मुंब्रा के एमएम वैली इलाके से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली दुर्घटना सामने आई है। एक स्कूल बस को ओवरटेक करने की कोशिश में बाइक सवार तीन युवक हादसे का शिकार हो गए। इस भीषण टक्कर में दो दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा अस्पताल में भर्ती है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें हादसे की भयावह तस्वीर साफ दिखाई दे रही है।

कैसे हुआ हादसा?

जानकारी के अनुसार, तीनों युवक एक ही बाइक पर सवार होकर एमएम वैली रोड से गुजर रहे थे। रास्ते में उन्होंने अपने आगे चल रही एक स्कूल बस को ओवरटेक करने की कोशिश की। बाइक की रफ्तार तेज थी और जगह कम होने के कारण अचानक बाइक का संतुलन बिगड़ गया और वह फिसल गई। फिसलते ही बाइक पर सवार तीनों युवक बस के नीचे आ गई। हादसा इतना भयावह था कि बस के पहिए के नीचे आने से दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

तीसरे की हालत गंभीर

मृतकों की पहचान अविनाश दवंडे (20) और संगम फुलशेरे (17) के रूप में हुई है, जो ठाकुरपाड़ा, मुंब्रा के निवासी थे। वहीं, घायल महेश वारे (18) का इलाज मुंब्रा के हकीम अजमल खान अस्पताल में चल रहा है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है।सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि बाइक तेज रफ्तार में बस को पार करने की कोशिश कर रही थी, लेकिन अचानक नियंत्रण खोने के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ।

कोपरी रेलवे ब्रिज पर क्रेन पलटने से ट्रैफिक जाम

ठाणे. ईस्टर्न एक्सप्रेसवे के कोपरी रेलवे ब्रिज पर बुधवार शाम एक क्रेन पलट गई. जिसकी वजह से ईस्टर्न एक्सप्रेसवे पर ठाणे से मुंबई की ओर जाने वाली सड़क पर लंबी लाइनें लग गई हैं. ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि इस क्रेन का इस्तेमाल आनंदनगर-साकेत एलिवेटेड रोड प्रोजेक्ट के कंस्ट्रक्शन के काम के लिए किया जा रहा था. ट्रैफिक विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक ठाणे से मुंबई की ओर जाने वाली सड़क पर बुधवार शाम करीब 4 बजे एक क्रेन अचानक पलट गई. क्रेन का हिस्सा सड़क की ओर झुकने की वजह से ठाणे पुलिस ने यहां ट्रैफिक को दूसरे मार्ग से डायवर्ट कर दिया. इससे ट्रैफिक व्यवस्था पर विपरीत असर पड़ा.

पुलिसकर्मी की हत्या के प्रयास के मामले में

अदालत ने 8 लोगों को किया बरी

ठाणे. ठाणे की एक अदालत ने एक पुलिस कांस्टेबल की हत्या के प्रयास के आरोप में आठ लोगों को बरी कर दिया है। अदालत ने अपने फैसले में पीड़ित द्वारा अपने हमलावरों की पहचान करने में असमर्थता और अभियोजन पक्ष के प्रमुख गवाहों के मुकर जाने का हवाला दिया है।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वी. एल. भोसले ने छह अप्रैल को अपने फैसले में कहा कि अभियोजन पक्ष अपने मामले को संदेह के परे साबित करने में विफल रहा। इस आदेश की एक प्रति बुधवार को उपलब्ध कराई गई।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, 21 अप्रैल, 2016 को शहर के उपवन इलाके में एक बार के बाहर कांस्टेबल भास्कर सोनावणे पर लाठियों और बीयर की बोतलों से हमला किया गया था। होटल प्रबंधन और कमलेश नामक एक ग्राहक के बीच विवाद के बाद कमलेश का भाई अरुण 10-15 लोगों को लेकर घटनास्थल पर आया था। अदालत को सुनवाई के दौरान बताया गया कि उस वक्त सोनावणे एक मुखबिर से मिलने के लिए घटनास्थल पर मौजूद थे। इस हमले में उनकी खोपड़ी में फ्रैक्चर और मस्तिष्क में चोटें आईं थीं। इसके बाद आठों आरोपियों पर हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया।

अदालत ने गौर किया कि घटना रात के समय घटने की वजह से कांस्टेबल खुद 'किसी भी आरोपी को हमलावर के रूप में नहीं पहचान सका तथा हमले के बाद वह बेहोश हो गया था।''

इसके अतिरिक्त, न्यायाधीश ने कहा मामले के मूल शिकायतकर्ता होटल के साझेदार राजेश शेट्टी और प्रबंधक नवीन गौड़ा दोनों मुकर गए।

आदिवासी समाज के ऑफिस पर गैर-आदिवासियों का कब्जा

ठाणे. आदिवासियों के विकास के लिए बने ऑफिस को शुरू करवाने के लिए एक 75 साल के बुज़ुर्ग लड़ रहे हैं। समाज के फायदे के लिए बड़ी मुश्किल से बनाया गया ऑफिस, पिछले 27 सालों से एक गैर-आदिवासी व्यक्ति ने कब्ज़ा कर लिया है, जिससे समाज के विकास के काम में रुकावट आ रही है। इसलिए, पूर्व नगरसेवक और मल्हार कोली आदिवासी समाज उन्नति मंडल की तरफ से ठाणे डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर से मांग की गई है कि चैरिटी कमिश्नर से मंज़ूर ऑफिस को भ्रष्ट गैर-आदिवासी लोगों से आज़ाद कराकर समाज के कंट्रोल में लाया जाए। मल्हार कोली आदिवासी समाज उन्नति मंडल के सेक्रेटरी वसंत भोईर की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, 1983 में चैरिटी कमिश्नर के पास रजिस्टर्ड बोर्ड का काम चैरिटी डिपार्टमेंट के नियमों के हिसाब से चल रहा था। 16 साल से लोकमान्य नगर पाड़ा नंबर 2 में सोसाइटी के ऑफिस में ट्राइबल कम्युनिटी का ओवरऑल डेवलपमेंट हो रहा था, लेकिन उसके बाद बोर्ड का मैनेजमेंट सुरेश भुयाल और अनंत तरसे ने अपने हाथ में ले लिया और सोसाइटी का डेवलपमेंट का काम नीचे की ओर चला गया। इन दोनों ने ऑर्गनाइज़ेशन का ऑफिस एक नॉन-ट्राइबल बिजनेसमैन को किराए पर देकर फाइनेंशियल स्कैम किया है। करीब 26 साल से चैरिटी कमिश्नर को कोई अकाउंट या दूसरी ज़रूरी जानकारी नहीं दी गई है, ऐसा भोईर ने आरोप लगाया है।

साथ ही, जब इसकी शिकायत ठाणे चैरिटी ऑफिस में की गई, तो कमिश्नर ने 30 जून, 2025 को मल्हार कोली ट्राइबल सोसाइटी उन्नति बोर्ड का एडमिनिस्ट्रेशन पुरानी कमेटी को सौंप दिया। लेकिन, जब से ऑर्गनाइज़ेशन का ऑफिस किराए पर दिया जा रहा है, तब से इसे कमेटी को सौंपने में हिचकिचाहट हो रही है।

10 लाख 30 हजार रुपए की साइबर ठगी

नवी मुंबई. साइबर ठगों ने नवी मुंबई में एक नया फ्रॉड तरीका अपनाया है। अब वे गैस संकट का फायदा उठाकर लोगों को गैस कनेक्शन बंद करने की धमकी देकर ठग रहे हैं। कोपर खैराने पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक व्यक्ति से 10 लाख 30 हजार रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, घनसोली निवासी अशरफ गाइन को एक फोन आया। फोन करने वाले व्यक्ति ने खुद को महानगर गैस (एमजीएल) एजेंसी का अधिकारी बताया और कहा कि उनका गैस बिल नहीं पहुंचा है, इसलिए उनका गैस कनेक्शन बंद किया जा रहा है। परेशान होकर अशरफ ने ऑनलाइन भुगतान करने की बात कही।

लावारिस वाहनों पर कार्रवाई से ट्रैफिक में सुधार

■ नागरिकों को राहत

ठाणे. महानगरपालिका द्वारा शहर में सुव्यवस्थित यातायात और स्वच्छ सार्वजनिक स्थान सुनिश्चित करने के लिए चलाया जा रहा अभियान अब सकारात्मक परिणाम देने लगा है। लोकमान्य सावरकर वार्ड समिति क्षेत्र में सड़कों पर अवैध रूप से खड़े लावारिस वाहनों के खिलाफ विशेष कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने नागरिकों को बड़ी राहत दी है।हाल ही में चलाए गए अभियान के दौरान कुल 19 लावारिस वाहनों को जब्त किया गया, जिसमें चार पहिया, तीन पहिया और दो पहिया वाहन शामिल थे। इसके साथ ही फुटपाथ पर किए गए अतिक्रमण को हटाकर पैदल चलने वालों के लिए रास्ते को फिर से सुगम बनाया गया। इस पहल से क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था बेहतर होने लगी है और आम नागरिकों को आवाजाही में सुविधा मिल रही है। इस अभियान की प्रेरणा शर्मिला पिंपलोलकर द्वारा आयोजित बैठक से मिली, जिसमें वार्ड की यातायात समस्याओं पर चर्चा करते हुए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए थे। आयुक्त सौरभ राव के मार्गदर्शन और प्रशासनिक टीम के समन्वय से यह अभियान प्रभावी रूप से लागू किया जा रहा है। अभियान के तहत महात्मा फुले नगर, कोरस रोड, वेदांता कॉम्प्लेक्स क्षेत्र, यशोधन नगर और लोकमान्य बस डिपो जैसे व्यस्त इलाकों में कार्रवाई की गई। इससे न केवल सड़कों पर जाम की समस्या

कम हुई है, बल्कि सार्वजनिक स्थानों पर अनुशासन भी स्थापित हुआ है।प्रशासन के अनुसार, मार्च महीने में भी 32 लावारिस वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह अभियान लगातार और गंभीरता से चलाया जा रहा है। स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार हुआ है और शहर को अधिक सुव्यवस्थित बनाने में मदद मिल रही है।यह अभियान न केवल अवैध पार्किंग पर रोक लगाने का प्रयास है, बल्कि एक सुरक्षित, स्वच्छ और व्यवस्थित शहर की दिशा में मनपा का सराहनीय कदम भी है।

आदित्य धर की फैन बनीं अनुष्का शर्मा

■ रणवीर सिंह की तारीफ की

■ विराट कोहली बोले- ऐसी फिल्म भारत में पहले कभी नहीं देखी

आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर 2 लगातार बॉक्स ऑफिस पर बड़े रिकॉर्ड कायम कर रही है, जिसे न सिर्फ आम जनता बल्कि फिल्म इंडस्ट्री की भी जमकर तारीफें मिल रही हैं। अब हाल ही में पावर कपल विराट कोहली-अनुष्का शर्मा ने फिल्म देखकर इसकी तारीफों के पुल बांध दिए हैं। विराट कोहली ने तो ये तक कहा कि उन्होंने ऐसी फिल्म भारत में पहले कभी नहीं देखी। वहीं रणवीर सिंह की पूर्व को-स्टार अनुष्का शर्मा ने उनके अभिनय की सराहना की है।

अनुष्का शर्मा ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म धुरंधर-2 का रिव्यू कर लिखा है, 'आपने कितनी शानदार फिल्म बनाई है आदित्य धर। लगभग 4 घंटे लंबी फिल्म बनाने के लिए बहुत हिम्मत चाहिए होती है। यह फिल्म बेहद रोचक और आपको पूरी तरह बांधे रखने वाली है। बहुत बारीकी से बनाई गई है और शुरुआत से अंत तक आपका ध्यान बनाए रखती है। आप एक बेहद मौलिक और आत्मविश्वासी फिल्ममेकर हैं।'

आगे अनुष्का ने लिखा, 'रणवीर सिंह, आपने जिंदगी में एक बार मिलने वाले किरदार को पूरी तरह जी लिया और एक दमदार, बेदाग परफॉर्मेंस दी। आर.माधवन, अर्जुन रामपाल और राकेश बेदी सर और फिल्म के सभी शानदार एक्टर्स, आप सभी की परफॉर्मेंस एकदम सटीक थी। आप में से हर एक के बिना यह फिल्म अधूरी है। इससे जुड़े हर शख्स को बधाई।'

भिवंडी के डिप्टी मेयर की कुर्सी पर मंडरा रहा खतरा

■ ओबीसी विवाद में घिरे उपमहापौर तारिक मोमिन

■ कुर्सी जाएगी या बचेगी?

भिवंडी. भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के नवनियुक्त उपमहापौर मु.तारिक बारी मोमिन की नगरसेवक सदस्यता पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है.ओबीसी जाति प्रमाणपत्र को लेकर पूर्व नगरसेवक इस्माइल रंगरेज मिर्ची द्वारा किए गए तथाकथित फर्जीवाड़े के आरोपों ने मनपा की सियासत में हलचल मचा दी है.बोगस जाति प्रमाणपत्र की शिकायत विभागीय कोंकण आयुक्त सत्यापन समिति तक पहुंच चुकी है, जहां सुनवाई शुरू हुई है.

गौरतलब हो कि,मनपा पूर्व नगरसेवक इस्माईल रंगरेज मिर्ची ने गंभीर आरोप लगाते हुए कोंकण विभागीय आयुक्त से तमाम कागजात सहित शिकायत की है कि, कांग्रेसी नगरसेवक मु. तारिक बारी मोमिन द्वारा जनवरी माह में हुए भिवंडी मनपा चुनाव के दौरान प्रस्तुत किया गया ओबीसी प्रमाणपत्र पूर्णतया बोगस है.मिर्ची ने उक्त संबंध में कोंकण विभागीय आयुक्त के समक्ष विस्तृत शिकायत दर्ज कराते हुए करीब 25 दस्तावेज भी पेश किए हैं, जिनमें मतदाता पहचान पत्र, राशन कार्ड और जमीन के रिकॉर्ड शामिल हैं.प्रस्तुत दस्तावेजों में 'मोमिन' उपनाम का कोई उल्लेख नहीं होने का दावा किया गया है. आरोप है कि, मु.तारिक मोमिन के पूर्वज उत्तरप्रदेश जिला प्रतापगढ़ के निवासी हैं और उनके परिवार के किसी भी आधिकारिक दस्तावेज में 'मोमिन' जाति का उल्लेख नहीं मिलता है.ऐसे में भिवंडी तहसीलदार कार्यालय से प्राप्त ओबीसी प्रमाणपत्र की वैधता पर सवाल उठना लाजिमी है. यह भी आरोप लगाया गया है कि मोमिन द्वारा अपने पिता अब्दुल बारी के नाम पर छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) से प्राप्त जाति प्रमाणपत्र भी संदिग्ध है.नियमों के मुताबिक, जाति सत्यापन के लिए 1967 से पूर्व का महाराष्ट्र से संबंधित ठोस प्रमाण आवश्यक होता है, लेकिन अब तक ऐसा कोई दस्तावेज मु.तारिक मोमिन प्रस्तुत करने में असफल रहे हैं जिससे उनके जाति प्रमाण पत्र की वैधता को लेकर गंभीर शक पैदा हो चुका है.

सूत्रों के मुताबिक, जाति वैधता मामले में अब तक करीब 3 बार सुनवाई हो चुकी है, लेकिन उप महापौर तारिक मोमिन की ओर से कोई ठोस सबूत पेश नहीं किया गया है.ऐसे में उनका जाति प्रमाणपत्र रद्द होने और साथ ही साथ नगरसेवक पद रद्द होने की भी आशंका बढ़ गई है.

पारिवारिक सूत्रों की माने तो परिवार के अन्य सदस्यों ने 'मोमिन' जाति के आधार पर ओबीसी प्रमाणपत्र हासिल किए हैं और कुछ को वैधता प्रमाणपत्र भी मिला है.लोगों का मानना है कि, पूर्व नगरसेवक मिर्ची के आरोप यदि सही साबित होते हैं तो न सिर्फ उपमहापौर पद बल्कि नगरसेवक की सदस्यता भी खतरे में पड़ सकती है. शहरवासियों की निगाहें कोंकण आयुक्त के अहम फैसले पर टिकी हैं.

डिप्टी मेयर मु.तारिक मोमिन ने प्रतिक्रिया में कहा कि, जाति प्रमाणपत्र में कुछ भी गलत नहीं है.सच्चाई कुछ दिन में सामने आएगी.

स्थानीय गुंडागर्दी के कारण व्यापारियों में भय का माहौल

■ सुरक्षा के लिए विधायक संजय केलकर से लगाई गुहार

ठाणे. स्थानीय गुंडों से परेशान होकर घोड़बंदर इलाके के छोटे-बड़े व्यापारी आज विधायक संजय केलकर से किया मुलाकात। इस विषय को लेकर विधायक केलकर ने लोकल पुलिस स्टेशन के एक सीनियर अधिकारी से संपर्क किया और गुंडों को कंट्रोल करने का निर्देश दिया। इसमें कपूरबावड़ी, आज़ादनगर, ब्रह्मांड सर्कल आदि इलाकों के व्यापारी शामिल थे। इस इलाके के लोकल गुंडे अलग-अलग तरीकों से व्यापारियों को परेशान करते हैं। व्यापारियों की दुकानों के सामने गैर-कानूनी धंधे और व्यापारियों के साथ मारपीट से परेशान व्यापारियों ने विधायक केलकर को आवेदन दिया और सुरक्षा की मांग की। इस समय केलकर ने संबंधित पुलिस स्टेशन के अधिकारियों से संपर्क किया और लोकल गुंडों को कंट्रोल करने का निर्देश दिया।साथ ही केलकर ने यह भी साफ़ किया कि ये व्यापारी ईमानदारी से बिज़नेस कर रहे हैं और हम उनके साथ खड़े रहेंगे ताकि वे सुरक्षित रूप से बिज़नेस कर सकें।उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने इस मामले पर प्रायोरिटी के आधार पर एक्शन लेने पर सहमति जताई है।इस कार्यक्रम में नगरसेवक विकास पाटिल, नगरसेवक दीपक जाधव, सुरेश कांबले, संजय पाटिल, राजेश गाडे, अलकेश कदम, रूपेश कारंडे, आशीष कलास्कर, योगेश भंडारी आदि मौजूद थे।

आम सूचना

हम श्री मनिष रत्नाकर मकासरे व श्रीमती भावना मनिष मकासरे सभी को सूचित कर रहे हैं कि रेश्मा होम्स, 1ला माला, चाल नं. 1, रुम नं. 11, ब्लाक नं-ए- 547, त्रिवेणी नगर, संभाजी चौक, उल्हासनगर- 4 (टैक्स नं. 50डीआय020885600) उक्त प्रॉपर्टी श्री रूपेश पंढरीनाथ गुजर व जितेंद्र हरिराम रूपैला के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 30.5.2015 सी.नं. 779/2025 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मनिष रत्नाकर मकासरे व
श्रीमती भावना मनिष मकासरे

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099